न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बगोदर–सरिया (गिरिडीह)।

अनुसूची 14 फारम – 562

तुलसी देवी .... प्रथम पक्ष

बनाम

मुबारक अंसारी वगैरह .... द्वितीय पक्ष

वाद संख्या ...... 110/21 ...... धारा ...... 144 ...... द०प्र०सं०

आदेश–पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129)

आदेश सं० वॉ. ता० .... से .... तक

जिला .... सं० .... सन् 20........

केस का प्रकार ....

आदेश की क्रम सं० और तारिख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारिख सहित
1	2	3
19/03/21	धारा 144 द०प्र०सं० के अंतर्गत कार्रवाही/नोटिस मैं थाना प्रभारी/अंचल अधिकारी ...... बिरनी ...... के पत्रांक 1617 दिनांक ...... 13/03/21 ...... के द्वारा समर्पित किया गया जाँच प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद संतुष्ट हूँ कि भूमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होने की आशंका है एवं उभय पक्ष टकराव के लिए तत्पर हैं, जिसके कारण उस क्षेत्र में शांति भंग, खून-खराबा तथा उपद्रव हो सकता है, जो मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है। इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरूद्ध धारा 144 द०प्र०सं० के अंतर्गत कार्यवाही प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के लिए विवादग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोक लगाया जाता है साथ ही उभय पक्षों से दिनांक ...... 05/04/21 ...... को कारण पृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरूद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पुष्ट किया जाय। विवादग्रस्त भूमि का विवरण मौजा - बरहमसिया, थाना - बिरनी, जिला - गिरिडीह खाता सं० - 35, प्लॉट सं० - 01/972, रकबा - 50डी - (1) प्रथम चौ० उ० - बालेश्वर राणा का जमीन द० - नीम कुँआ एवं जमीन, पू० - हरिधारा प० - हिरामण साव का मकान (2) द्वितीय चौ० उ० - बरहमसिया मरकच्चो मुख्य सड़क, द० - साधु साव का मकान, पू० - रास्ता एवं हिरामण साव का मकान, प० - भोलेश्वर	

(2)

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	पक्षों का पुकार लेखापित एवं संशोधित [signature] अतुल उपाध्याय [illegible] [signature] अतुल उपाध्याय [illegible]	
05/08/21	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थित। To 26/08/21 [signature]	
26/08/21	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थित। To 9/09/21 for s/c. [signature]	
09/09/21	प्रथम पक्ष अधिवक्ता के माध्यम से उप० । द्वितीय पक्ष उप० । द्वितीय पक्ष द्वारा [illegible] दाखिल। अभिलेख 16/09/21 को [illegible] अतुल उपाध्याय	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
16/09/21	उभय पक्ष उपस्थित। प्रथम पक्ष के द्वारा कारण पृच्छा दाखिल किया गया है। प्रथम पक्ष के अनुसार खाता सं०-35, प्लाट सं०-1/2772, रकबा-50 डी. मद्धे 06 डी. गैरमजरूआ खास खाता की है। पंजी-2 में जयराम घरवार एवं दुर्गो घरवार के नाम से जमाबंदी कायम है जिसकी लगान रसीद 2021-22 तक निर्गत है। उक्त जमीन पर प्रथम पक्ष का शांतिपूर्वक दखल-कब्जा है। प्रश्नगत जमीन प्रथम पक्ष को पूर्व जमींदार द्वारा अनिबंधित हुकुमनामा से प्राप्त है। अपने दावे के समर्थन में प्रथम पक्ष के द्वारा हुकुमनामा, वर्ष जमीन रिपोर्ट एवं जमींदारी रसीद की छाया प्रति दाखिल किया गया है। द्वितीय पक्ष के अनुसार प्रश्नगत भूमि पर आज से लगभग 30 वर्षों पूर्व से ही रिहायशी मकान बना हुआ है जिस पर धारा-144 के अंतर्गत वाद चलाया जाना उचित नहीं है। थाना प्रभारी बिरनी एवं अंचल अधिकारी बिरनी के प्रतिवेदन का अवलोकन किया।	

(5)

आदेश का क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	अंचल अधिकारी बिरनी के प्रतिवेदन के अनुसार प्रथम पक्ष को भूदान से एवं द्वितीय पक्ष को भू-बंदोबस्ती से प्रश्नगत भूमि प्राप्त है। द्वितीय पक्ष के विष्णु रविदास द्वारा उक्त जमीन को विक्रय पत्र सं०-106, दिनांक-06/01/2012 के द्वारा द्वितीय पक्ष के मुबारक अंसारी को विक्रय किया गया है। प्रश्नगत भूमि पर 8 धूर जमीन को छोड़कर विभिन्न रैयतों का मकान एवं दुकान अवस्थित है।. उक्त विवेचन से स्पष्ट है कि द्वितीय पक्ष के विष्णु रविदास द्वारा बंदोबस्ती की जमीन का विक्रय द्वितीय पक्ष के मुबारक अंसारी की पत्नी मुन्ना खातुन को किया है, जबकी बंदोबस्ती की जमीन अहस्तांतरणीय होती है। साथ ही आवासीय मकान एवं दुकान प्रश्नगत भूमि पर बना हुआ है। अतः वाद को चलाया जाना उचित नही है। अतः वाद की कार्यवाई को समाप्त किया जाता है तथा दिनांक 19/7/21 के आदेश० को निरस्त किया जाता है।	

16/8/21
SDM

Digitally signed by KUNDAN KUMAR
Date: 2021.10.18 14:16:16 +05:30
Location: 192.168.43.238